लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 09 April 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

बीएचयू और लोहिया विधि विवि की टीमें फाइनल में पहुंची

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से आयोजित नेशनल लॉ फेस्ट में दूसरे दिन क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता में लोहिया विधि विवि व लखनऊ विवि की टीम व मिडिएशन प्रतियोगिता में बनारस हिंदू विधि और लोहिया विधि विवि की टीम फाइनल राउंड में पहुंची। डीन प्रो. बंशीधर सिंह, स्टूडेंट डीन इंद्रदमन तिवारी, प्रो. हरीश चंद्र राम, तुषार पाण्डेय, स्वराज शुक्ला आदि मौजूद रहे। (संवाद)

पॉक्सो अधिनियम की जानकारी बच्चों को दी

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय की संस्था विधिक सहायता केंद्र और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शुक्रवार को जानकीपुरम स्थित सेंट मेरी कॉन्वेंट स्कूल में पॉक्सो अधिनियम 2012 पर विधिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। विधि छात्रा गरिमा मिश्रा ने बच्चों को अच्छे और खराब स्पर्श के बीच का अंतर समझाते हुए उन्हें कानूनी कार्रवाई की जानकारी दी। आंशिक त्रिपाठी समेत इस दौरान रिया, काव्यांजलि व गौतम समेत अन्य छात्र मौजूद रहे। (संवाद)

विज्ञान कांग्रेस में होंगे आदिवासी और किसानों के विशेष सम्मेलन

माई सिटी रिपोर्टर

लविवि में भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ की टीम के निरीक्षण का दूसरा दिन

लखनऊ। लविवि में होने वाले भारतीय विज्ञान कांग्रेस के 109वें वार्षिक अधिवेशन में किसान और आदिवासियों के विशेष सम्मेलन भी होंगे। लविवि में अगले साल तीन से सात जनवरी के बीच होने वाले इस आयोजन की तैयारी परखने के लिए भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ की टीम ने अपने दौरे के दूसरे दिन इस बारे में योजना बनाई।

टीम के सदस्य और भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ के पूर्व अध्यक्ष प्रो. अशोक सक्सेना ने बताया कि विज्ञान कांग्रेस का मकसद विज्ञान को जन-जन से जोड़ना है। भारत एक कृषि प्रधान देश है। विज्ञान का लाभ किसानों को भी मिलना चाहिए। इसलिए विज्ञान कांग्रेस में इसका विशेष सत्र रखा जा रहा है। इसी तरह जनजातीय विकास भी एक बड़ा मुद्दा है। इसलिए इन दोनों पर आधारित विशेष सम्मेलन होंगे। बीच के कई साल इन पर आधारित सत्र नहीं हो रहे थे। समाज और विज्ञान के आपसी संबंधी पर आधारित विशेष सत्र के अलावा महिला, बाल विज्ञान और संचार मीट भी इस बार के आयोजन के प्रमुख केंद्र होंगे। लविवि में शनिवार को इस टीम ने ऑडिटोरियम, लेक्चर हाल सहित विवि की सभी सुविधाओं का जायजा लिया। कार्यक्रम से संबंधित गतिविधियों की रूपरेखा और तैयारियों का निरीक्षण करने के लिए डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन व अन्य शिक्षक भी मौजूद रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय में शनिवार को निरीक्षण करती भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ की टीम। - संवाद

■ **शिक्षक और विद्यार्थियों की टीमें बनेंगी :** लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि कार्यक्रम के लिए कई टीमों का गठन किया जा रहा है। इन टीमों में शिक्षकों के साथ स्टूडेंट वालंटियर भी होंगे।

NBT PAGE 4

डिजिटल लैब से लाइव प्रैक्टिकल देखेंगे छात्र

एलयू के केमिस्ट्री विभाग ने 10 वर्षीय विजन प्लान में दो नए कोर्स भी शामिल किए

■ **एनबीटी सं, लखनऊ :** एलयू का केमिस्ट्री विभाग डिजिटल लैब बनाने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत स्टूडेंट्स को लाइव प्रैक्टिकल करके दिखाए जाएंगे। इसके अलावा दो नए कोर्स शुरू करने की दिशा में भी विभाग कार्य कर रहा है। दस वर्षीय विजन प्लान में विभाग ने इन्हें शामिल किया है।

विभाग के एचओडी प्रो. अनिल मिश्रा ने बताया कि इस लैब से दूर-दराज के स्टूडेंट्स को भी फायदा मिलेगा। अभी वीएससी से लेकर एमएससी तक करीब 100 एक्सपेरिमेंट हैं। इन एक्सपेरिमेंट को लाइव दिखाया जाएगा। इस दौरान स्टूडेंट कोई सवाल पूछना चाहें तो पूछ सकेंगे। इसके अलावा लैब टेक्नीशियन का डिप्लोमा कोर्स और सर्टिफिकेट इन लैब मेथड्स का कोर्स भी शुरू किया जाएगा। सर्टिफिकेट इन लैब मेथड्स में इंटर के बाद भी स्टूडेंट्स प्रवेश सकेंगे। ये कोर्स नौकरी पर आधारित होंगे। वहीं हाई एंड स्पेक्ट्रोस्कोपी लैब खोलने की योजना भी तैयार की जा रही है। इससे मैटेरियल और केमिकल कैरेक्टराइज करने में सुविधा होगी। इसके अलावा डिस्टेंस लर्निंग के तहत केमिस्ट्री विभाग में चलने वाले कुछ कोर्सों को लाने पर भी विचार चल रहा है। एचओडी के अनुसार, डिस्टेंस लर्निंग के कोर्सों को किस तरीके से फ्रेम किया जाए, इसका कंटेंट तैयार किया जाएगा।

हर सत्र में शामिल किए जाएंगे 400 शोध पत्र

■ **एनबीटी सं, लखनऊ :** एलयू में होने वाली भारतीय विज्ञान कांग्रेस के लिए आई दस सदस्यीय टीम ने शनिवार को कैंपस के ऑडिटोरियमों का दौरा किया। इस सम्मेलन में करीब 20 हजार प्रतिभागी शामिल होंगे। पीआरओ डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जनवरी 2024 में होने वाले वार्षिक सत्र में विज्ञान की 11 विभिन्न शाखाओं के एक साथ सत्र चलेंगे। हर सत्र में करीब 400 शोध पत्र ओरल और पोस्टर सेशन में शामिल होने की उम्मीद है। वहीं जनजातीय विकास, कृषि, बाल विज्ञान और महिला विज्ञान कांग्रेस समेत सात अन्य समानांतर सत्र भी चलेंगे।

HINDUSTAN PAGE 6

क्लाइंट काउंसलिंग फाइनल में एलयू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ऑल्टरनेटिव डिस्प्यूट रिजोल्यूशन एंड इंटिग्रेटा सोसायटी के द्वारा आयोजित नेशनल लॉ फेस्ट के दूसरे दिन क्लाइंट काउंसलिंग व मिडिएशन सहित कई विधाओं के क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल राउंड व फिजिकल डिबेट के फाइनल राउंड हुए। एलयू फाइनल में पहुंचा। अधिष्ठाता प्रो. बंशीधर सिंह ने बताया कि दूसरे दिन निर्णायक मंडल में न्यायिक मजिस्ट्रेट, एसपीओ एवं संकाय के शिक्षकगण रहे।

एलयू में कला व प्रबंधन कौशल उत्सव की तैयारी

लखनऊ। एलयू में जल्द ही प्रबंधन कौशल और कला का गजऊंज देखने को मिलेगा। व्यापार प्रशासन विभाग द्वारा वार्षिक प्रबंधन उत्सव 'ग्रेविटास 2.0' की तैयारियां शुरू हो गई हैं। 11 व 12 अप्रैल को इसका आयोजन किया जाएगा। जिसका शुभारम्भ कुलपति प्रो. अलोक कुमार राय करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय बिजनेसमैन डॉ. संदीप गोयल रहेंगे।

अच्छे शोध के बारे में छात्रों को बताया गया

लखनऊ। एलयू के रसायन विज्ञान विभाग ने शनिवार को बारहवें पूर्व छात्र व्याख्यान का आयोजन किया। एमएससी 1999 बैच के छात्र रहे प्रो. रविकांत सिंह ने 'विश्वविद्यालय रैंकिंग के लिए गुणवत्ता अनुसंधान प्रकाशन' पर छात्रों से बात की। गोरडा के एमिटी इंस्टीट्यूट के प्रो. रविकांत सिंह ने बताया कि ओसत शोध को गुणवत्तापूर्ण कैसे बनाया जा सकता है।

एलयू: डिजिटल लैब खोली जाएगी, छात्रों को लाभ

लखनऊ। एलयू का रसायन विज्ञान विभाग डिजिटल लैब बनाने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत एलयू से सम्बद्ध कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्रों को लाभ होगा। विद्यार्थियों को लाइव प्रैक्टिकल दिखाया जाएगा। जिससे वह आसानी से प्रैक्टिकल सीख सकेंगे। विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा का कहना है कि डिजिटल लैब शुरू होने से विद्यार्थियों को काफी लाभ होगा।

विज्ञान कांग्रेस के हर सत्र में 400 शोध पत्र

लखनऊ। एलयू में भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ की टीम तीन दिवसीय निरीक्षण पर है। शनिवार को जावेद के दूसरे दिन अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. पूनम टंडन, प्रो. गौतमजित मिश्र सहित अन्य शिक्षकों संग यूनिवर्सिटी के विभागों का दौरा किया। इस दौरान टीम ने खासकर संचालित अत्याधिक स्थली लेक्चर हॉल, ऑडिटोरियम, पार्किंग, फूड कोर्ट, रजिस्ट्रेशन स्थल आदि का मुआयना किया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

भारतीय विज्ञान कांग्रेस के सत्र से मिलेगी नई दिशा

विज्ञान की 11 अलग-अलग शाखाओं के समानांतर सत्र में 400 शोध पत्र पोस्टर सेशन में होंगे शामिल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित होने जा रहे भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ के वार्षिक सत्र से एक दिशा मिलेगी। विश्वविद्यालय को इस कार्यक्रम की मेजबानी करने के लिए छठी बार मौका मिला है। इससे पहले लखनऊ विश्वविद्यालय को 1916, 1923, 1953, 1985 और 2002 भारतीय भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी का मौका मिला था। नैक से ए डबल प्लस प्राप्त कर चुके लखनऊ विश्वविद्यालय में होने जा रहे इस कार्यक्रम के विज्ञान की अलग-अलग शाखाओं के 11 सत्र आयोजित होने हैं। प्रत्येक सत्र में 400 शोध पत्र ओरल और पोस्टर सेशन में शामिल होने की उम्मीद है।

कार्यक्रम चूंकि बड़ा है ऐसे में भारतीय विज्ञान कांग्रेस की टीम भी पिछले दो दिनों से लखनऊ विश्वविद्यालय में मौजूद है। टीम कार्यक्रम की तैयारियों से जुड़े हर एक पहलू का गहन परीक्षण कर रही है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जनवरी 2024 में विश्वविद्यालय में होने वाले भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ के वार्षिक सत्र की तैयारियां की जा रही है। विज्ञान कांग्रेस संघ की टीम ने आडिटोरियम, लेक्चर हाल सहित विश्वविद्यालय की सभी सुविधाओं का जायजा भी लिया।

तैयारियों का जायजा लेने आई भारतीय विज्ञान कांग्रेस की टीम का निरीक्षण में सहयोग करती प्रोफेसर पूनम टंडन, साथ में अन्य। अमृत विचार

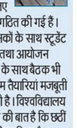

इतने बड़े स्तर के शैक्षणिक कार्यक्रम के लिए काफी तैयारियों की आवश्यकता होती है, जिसके लिए अलग अलग टीम गठित की गई है। प्रत्येक टीम में शिक्षकों के साथ स्टूडेंट वालंटियर भी होंगे तथा आयोजन समिति के सदस्यों के साथ बैठक भी की गई है। कार्यक्रम तैयारियां मजबूती के साथ की जा रही है। विश्वविद्यालय के लिए ये सौभाग्य की बात है कि छठी बार मेजबानी का मौका मिला है।

-प्रोफेसर आलोक राय, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय

● लखनऊ विश्वविद्यालय को छठवीं बार मिली है जिम्मेदारी

सत्र में ये भी होंगे विषय

- जनजातीय विकास
- कृषि, बाल विज्ञान
- महिला विज्ञान कांग्रेस
- सात अन्य समानांतर सत्र
- विशाल विज्ञान प्रदर्शनी

14 वैज्ञानिक वर्ग व शिक्षाविद रहेंगे मौजूद

भारतीय विज्ञान कांग्रेस 14 व्यापक वैज्ञानिक वर्गों के शिक्षाविदों के लिए एक बैठक का विशाल क्षेत्र है जिसमें कृषि और वानिकी विज्ञान, पशु, पशु चिकित्सा और मत्स्य विज्ञान, मानव विज्ञान और व्यवहार विज्ञान (पुरातत्व, मनोविज्ञान, शिक्षा और सैन्य विज्ञान सहित), रासायनिक विज्ञान, पृथ्वी प्रणाली विज्ञान, इंजीनियरिंग विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, सूचना और संचार विज्ञान और प्रौद्योगिकी (कंप्यूटर सहित) विज्ञान), गणितीय विज्ञान (सांख्यिकी सहित), चिकित्सा विज्ञान (फिजियोलॉजी सहित), न्यू बायोलॉजी (जैव रसायन, बायोफिजिक्स और आणविक जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी, भौतिक विज्ञान, पादप विज्ञान सहित) पर विचार-विमर्श होगा। इन वर्गों के अलावा, भारतीय विज्ञान कांग्रेस में महिला विज्ञान कांग्रेस, बाल विज्ञान कांग्रेस और राष्ट्र की वैज्ञानिक प्रगति और कौशल की प्रदर्शनी भी शामिल है।

डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर पूनम टंडन और विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षक भी मौजूद निरीक्षण में सहयोग कर रहे हैं। इस भ्रमण के दौरान टीम के सदस्यों ने दोनों परिसरों में सत्र के आयोजन हेतु संभावित आयोजन स्थलों- लेक्चर हाल, आडिटोरियम, पार्किंग, फूड कोर्ट, रजिस्ट्रेशन स्थल, उद्घाटन स्थल आदि का मुआयना किया और व्यवस्था पर संतुष्टि जताई है।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक भी होंगे शामिल

कार्यक्रम में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यक्तियों के साथ वैज्ञानिकों, प्रोफेसरों, नीति निर्माताओं सहित अनेक छात्र-छात्राओं के शामिल होंगे। वहीं 15000 से अधिक शोधार्थी प्रतिभाग करेंगे। जबकि पिछले वर्ष नागपुर में हुए भारतीय विज्ञान कांग्रेस के सत्र में लगभग 16000 प्रतिभागियों ने भाग लिया था तथा लखनऊ विश्वविद्यालय में होने वाले सत्र में लगभग 20000 प्रतिभागियों के आने की उम्मीद है। इस स्तर के वृहद कार्यक्रम की तैयारी लगभग एक वर्ष पूर्व ही प्रारम्भ हो जाती है।

i-NEXT PAGE 4

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

परखी तैयारियां

लखनऊ यूनिवर्सिटी में होने वाली भारतीय विज्ञान कांग्रेस को लेकर शनिवार को भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ की आठ सदस्यीय टीम ने ऑडिटोरियम, लेक्चर हॉल सहित एलयू की अन्य सुविधाओं का जायजा लिया.

एलयू में 12 और 13 को ग्रेविटास का आयोजन

डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की ओर से होगा आयोजन

LUCKNOW(8 April): एलयू का डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन दो दिवसीय मैनेजमेंट फेस्टिवल ग्रेविटास 2.0 12 और 13 अप्रैल को करने जा रहा है. यह फेस्टिवल स्टूडेंट्स की ओर से स्टूडेंट्स के लिए आयोजित किया जाता है.

ये होंगे मुख्य अतिथि

12 व 13 अप्रैल को होने वाले ग्रेविटास प्रोग्राम का उद्घाटन वीसी प्रो. आलोक कुमार राय करेंगे. कार्यक्रम के दौरान कई बड़ी हस्तियां शिरकत करेंगी. प्रमुख अतिथि व वक्ता इंडियन मीडिया बिजनेसमेन व मोगे समूह के संस्थापक व अध्यक्ष डॉ संदीप गोयल पहले दिन स्टूडेंट्स से मुखातिब होंगे. वहीं दूसरे दिन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट तिरुचिरापल्ली के निदेशक डॉ. पवन कुमार सिंह व्याख्यान देंगे.

द एवेंजर्स थीम पर प्रोग्राम

एलयू प्रवक्ता प्रो दुर्गेश कुमार ने बताया कि इस बार ग्रेविटास 2.0 की थीम द एवेंजर्स पर आधारित है. इस थीम के जरिए स्टूडेंट्स में इनोवेशन को बढ़ाया जाएगा. ग्रेविटास में इनोवेशन को शामिल किया है जिसे आइडिएशन, पिचिंग एं प्रॉडक्ट नाम दिया गया है.

ये प्रतियोगिताएं होंगी

ग्रेविटास 2.0 में कई प्रतियोगिताएं होंगी. इनमें पोस्टर मेकिंग, पैनल डिस्कशन, डिबेट स्पर्धा, केस स्टडी कम्पटीशन, बिजनेस क्विज, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सिंगिंग एवं नृत्य स्पर्धाएं नुक्कड़ नाटक, स्टैंड अप कॉमेडी जैसेकई प्रोग्राम शामिल हैं. इसके अलावा जितने लोग भी गेस्ट के तौर पर शामिल होंगे, उनका स्टूडेंट्स से संवाद भी होगा. प्रतियोगिताओं में शामिल स्टूडेंट्स को सर्टिफिकेट दिए जाएंगे. वहीं विजेताओं को पदक व प्रमाण पत्र और गिफ्ट हैम्पर्स दिए जाएंगे. इसके अलावा 4 से ज्यादा इवेंट्स के विनर्स को कैश प्राइज भी मिलेगा.

शामिल हो सकते हैं स्टूडेंट्स

इस कार्यक्रम में कई कॉलेज के स्टूडेंट्स भी हिस्सा ले सकते हैं. मुख्य अतिथि इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड की वितिका देवरस होंगी. रजिस्ट्रेशन से जुड़ी जानकारी के लिए अनन्या वर्मा 7753084900 या निहाल पटेल 6393716614 से संपर्क कर सकते हैं.

JAGRAN CITY PAGE I

जब डा. कलाम ने कहा था, ताज में नहीं गेस्ट हाउस में रुकूंगा

लखनऊ विश्वविद्यालय 22 साल बाद विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन की करने जा रहा मेजबानी, जुटेंगे 20 हजार से अधिक विद्वान

लखनऊ विश्वविद्यालय में जनवरी में भारतीय विज्ञान कांग्रेस टीम ने परखी तैयारी

लखनऊ विश्वविद्यालय 22 साल बाद भारतीय विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन की मेजबानी करने जा रहा है। अगले साल तीन से सात जनवरी 2024 को शिक्षा के सबसे बड़े समागम की तैयारी अभी से शुरू हो गई है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस के इतिहास में यह सबसे बड़ा आयोजन होगा, इसमें 20 हजार से अधिक शिक्षक, वैज्ञानिक, नोबल पुरस्कार विजेता, शोधार्थी सहित देश-विदेश के विज्ञान जुटेंगे। इसकी तैयारी का जायजा लेने के लिए भारतीय विज्ञान कांग्रेस की टीम आई है।

शनिवार को टीम ने विश्वविद्यालय के आडिटोरियम, लेक्चर हाल सहित अन्य सुविधाओं को देखा। भारतीय विज्ञान कांग्रेस का महत्व कितना है इसका अंदाज लखनऊ विश्वविद्यालय के वर्ष 2002 में हुए वार्षिक सम्मेलन से भी लगाया जा सकता है। उसकी भव्यता को आज भी यहां शिक्षक याद करते हैं। वर्ष 2002 में हुए कांग्रेस के समागम में पूर्व राष्ट्रपति डा. अब्दुल कलाम भी आए थे, जिन्होंने अपनी सादगी का परिचय दिखाते हुए कहा था कि वह ताज होटल में नहीं गेस्ट हाउस में रुकेंगे।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस को लेकर टीम ने भ्रमण कर देखी तैयारियां ● जागरण

तीन हजार स्टूडेंट्स हेलीगेट्स के लिए टीम ने विश्वविद्यालय के हास्टल को पर्याप्त पाया। कुलपति प्रो. आलोक राय ने 500 होटलों की लिस्ट मांगी है। उन्होंने तैयारियों को लेकर टीम भी गठित कर दी है। जनवरी 2024 में 14 सत्र चलेंगे। इसके अलावा किशोर वैज्ञानिक कांग्रेस, जन जाति विज्ञान कांग्रेस, महिला विज्ञान कांग्रेस, कृषक विकास कांग्रेस पर देश विदेश के विज्ञान अपने विचार रखेंगे। इसके साथ ही विज्ञान प्रदर्शनी लगेगी। कांग्रेस में विचार विमर्श से जो भी सुझाव आएंगे। उन्हें सरकारी उपक्रम को भेजा जाता है।

प्रस्तुति : अखिल सक्सेना, विवेक राव

लविवि में गुणवत्तापरक शोध के तरीके बताए

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में शनिवार को पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला में प्रोफेसर रविकांत सिंह पहुंचे। वह यहां के पूर्व छात्र भी रहे हैं। एमिटी इंस्टीट्यूट आफ बायोटेक्नोलाजी में प्रोफेसर रविकांत ने विश्वविद्यालय रैंकिंग/प्रत्यायन के लिए गुणवत्ता अनुसंधान प्रकाशन और वित्तपोषित परियोजनाओं का महत्व पर चर्चा की। बताया कि कैसे एक औसत शोध को गुणवत्तापूर्ण शोध में बदला जा सकता है, जिसे उच्च प्रभाव कारक के साथ प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित किया जा सकता है। (जस)

फाइनल राउंड में कई टीमें

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से चल रहे नेशनल ला फेस्ट में क्लाइंट काउंसिलिंग प्रतियोगिता में राम मनोहर लोहिया नेशनल ला यूनिवर्सिटी, लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम और मिडिएशन प्रतियोगिता में काशी हिंदू विश्वविद्यालय एवं डा. राम मनोहर लोहिया नेशनल ला यूनिवर्सिटी की टीम फाइनल राउंड में पहुंची। निर्णायक मंडल में न्यायिक मजिस्ट्रेट, एसपीओ एवं संकाय के शिक्षक रहे। डीन प्रो. बंशीधर सिंह ने बताया कि रविवार को फेस्ट का समापन होगा। (जस)

लखनऊ में इन थीम पर हुई है विज्ञान कांग्रेस

1916 : तीसरी - उत्तर भारत के मैदान तथा उनका हिमालय पर्वत से संबंध

1923 : 10वीं- साइंटिफिक इंडस्ट्रीयूशंस एंड साइंटिस्ट

1953 : 40वीं- द लिविंग एंड द नान लिविंग

1985 : 72वीं - हाई एल्टीट्यूड स्टडीज

2002 : 89वीं - हेल्थ केयर, एजुकेशन एंड इंफार्मेशन टेक्नोलाजी

2024 : प्रस्तावित 109वीं- ग्लोबल एसेंपिटिव आन साइंस एंड टेक्नोलाजी फार सस्टेनेबल फ्यूचर

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

विज्ञान कांग्रेस टीम ने परखी कैम्पस की व्यवस्था

जनवरी में होना है भारतीय विज्ञान कांग्रेस

लखनऊ (एसएनबी)। जनवरी 2024 मे लखनऊ विश्वविद्यालय मे होने वाले भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ के वार्षिक सत्र की तैयारियों के सिलसिले मे भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ की टीम ने शनिवार को आडिटोरियम, लेक्चर हाल सहित विश्वविद्यालय की सभी सुविधाओं का जायजा लिया। कार्यक्रम मे संबंधित गतिविधियों की रूपरेखा और तैयारियों का निरीक्षण करने हेतु आयी दस सदस्यीय टीम के भ्रमण के दौरान दोनों परिसरो मे सत्र के आयोजन हेतु संभावित आयोजन स्थलों- लेक्चर हाल, आडिटोरियम, पार्किंग, फूड कोर्ट, रजिस्ट्रेशन स्थल, उद्घाटन स्थल आदि का मुआयना किया और व्यवस्था देखी।

जनवरी 2024 मे आयोजित होने वाले वार्षिक सत्र मे विज्ञान की 11 विभिन्न शाखाओं के समानांतर सत्र चलेंगें। प्रत्येक सत्र मे लगभग 400 शोध पत्र ओरल तथा पोस्टर सेशन मे शामिल होने की उम्मीद है। इसके साथ ही जनजातीय विकास, कृषि, वाल विज्ञान, महिला विज्ञान कांग्रेस सहित 7 अन्य समानांतर सत्र होंगे। इसके साथ ही विशाल विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा। लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इतने बड़े स्तर के शैक्षणिक कार्यक्रम के लिए काफी तैयारियों की आवश्यकता होती है, जिसके लिए अलग-अलग टीम गठित की गई हैं। प्रत्येक टीम में शिक्षकों के साथ स्टूडेंट वालंटियर भी होंगे तथा आयोजन समिति के सदस्यों के साथ बैठक भी की है।

पॉक्सो अधिनियम पर कार्यशाला आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय विधि संकाय की प्रतिष्ठित संस्था विधिक सहायता केंद्र व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में डॉ. बी डी सिंह (संकायाधक्ष व अधिष्ठाता) और डॉ. आलोक कुमार यादव (चेयरपर्सन, विधिक सेवा केंद्र) की ओर से पोक्सो अधिनियम 2012 पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विधिक सहायता केंद्र के संयोजक मनीष तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत इरा उपाध्याय ने की, जिन्होंने बच्चों को पोक्सो अधिनियम व उसके महत्व के बारे में बताया। बच्चों को इस विषय पर अपने विचार साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

SUVIDHA

सुविधा | संबद्ध कॉलेजों के छात्रों को भी होगा लाभ, दिखाया जाएगा लाइव प्रैक्टिकल

लखनऊ विश्वविद्यालय में डिजिटल लैब बनाने की तैयारी

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

गुणवत्तापूर्ण शोध प्रकाशन के महत्व पर हुआ व्याख्यान

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विभाग की ओर से पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला के क्रम में शनिवार को बारहवां व्याख्यान आयोजित किया गया। ये 1999 बैच के रसायन विज्ञान विभाग के पूर्व छात्र रहे प्रोफेसर रविकांत सिंह की ओर दिया गया। प्रो. रविकांत सिंह ने 'विश्वविद्यालय रैंकिंग/प्रत्यायन के लिए गुणवत्ता अनुसंधान प्रकाशन और वित्तपोषित परियोजनाओं का महत्व' पर अपने व्याख्यान में विस्तार से बताया कि कैसे एक औसत शोध को गुणवत्तापूर्ण शोध में बदला जा सकता है जिसे उच्च प्रभाव कारक के साथ प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित किया जा सकता है। उन्होंने श्रोताओं को यह भी बताया कि विश्व स्तर पर किसी भी विश्वविद्यालय की रैंकिंग में सुधार के लिए ऐसे गुणवत्तापूर्ण शोध प्रकाशन क्यों महत्वपूर्ण हैं जो किसी भी संस्थान को विभिन्न रैंकिंग प्रणालियों में अच्छी रैंकिंग हासिल करने में मदद करेंगे।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकारी और निजी वित्त पोषित परियोजनाएं किसी भी शैक्षिक संगठन के चुनिंदा और अनुसंधान ढांचे के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो बदले में संस्थान की अनुसंधान गुणवत्ता को ऊपर उठाती हैं। अंत में डॉ. ओमप्रकाश ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने कहा कि इस तरह के व्याख्यान से पीएचडी छात्रों और विभाग के फैकल्टी सदस्यों का उच्च गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान करने के लिए मनोबल बढ़ेगा और विभिन्न फंडिंग एजेंसियों से धन प्राप्त करने के लिए भी प्रोत्साहन मिलेगा। कार्यक्रम में रसायन विज्ञान विभाग के सभी संकाय सदस्यों और शोधार्थियों ने भाग लिया।

विजन प्लान में डिजिटल लैब बनाने की योजना बनाई गई है। प्रो. अनिल मिश्रा के अनुसार बीएससी से लेकर एमएससी तक करीब 100 एक्सपेरिमेंट हैं इन एक्सपेरिमेंट को लाइव दिखाया जाएगा। इस दौरान यदि कोई छात्र सवाल पूछना चाहे, तो यह भी पूछ सकेंगे। प्रो. मिश्रा के मुताबिक दो नए कोर्स शुरू करने की दिशा में भी विभाग कार्य कर रहा है। वहीं हाई एंड स्पेक्ट्रोस्कोपी लैब खोलने की योजना भी तैयार की जा रही है। इससे मैटेरियल और केमिकल कैरेक्टराइज करने में सुविधा होगी। परास्नातक विज्ञान विभाग के आगामी 10 वर्षीय विजन प्लान के तहत लैब टेक्नीशियन का डिप्लोमा कोर्स कराने की तैयारी है। इसके अलावा सर्टिफिकेट इन लैब मेथड्स का कोर्स भी शुरू किया जाएगा। सर्टिफिकेट इन लैब मेथड्स में इंटर के बाद भी छात्र प्रवेश ले सकेंगे।

HINDUSTAN TIMES PAGE 3

LU prepares for science congress, ISCA team inspects campuses

LUCKNOW : In connection with the preparations for the annual session of the Indian Science Congress Association (ISCA) to be held at Lucknow University in January 2024, the 10-member ISCA team inspected all the facilities at the university including the auditorium and lecture hall on Saturday. Dean academics, Prof Poonam Tandon and other teachers of the university were also present along with the team members that have come to oversee the preparations and outline of the activities related to the programme.

During this tour, the members visited the possible venues for organising the session on both campuses- including the lecture hall, auditorium, parking, food court, registration venue, inauguration venue etc. and reviewed the arrangements.

Lucknow University HT FILE

In the annual session to be held in January 2024, parallel sessions of 11 different branches of science will also run. About 400 research papers are expected to appear in the oral and poster sessions. Along with this, there will be 7 other parallel sessions including tribal development, agriculture, child science and women's science congress. Besides, a huge science exhibition will also be organised.

Vice-chancellor Professor Alok Kumar Rai said that a lot of preparations are needed for such a large-scale educational programme, for which different teams are being constituted. HTC

TOI PAGE 2

Prep on for 2024 science congress in LU

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The Indian Science Congress to be hosted by Lucknow University will witness presentation of over 400 research papers and participation of tribals, farmers, children and women. A discussion was held on the second day of the Indian Science Congress associations' teams' visit to LU campus on Saturday.

"Indian Science Congress Association team inspected the university's auditorium and lecture hall. The team members visited the possible venues for organising the session on both campuses, including a lecture hall, auditorium, parking, food court, registration venue, inauguration venue and others," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

He said during the congress to be held from January 3 to 7, 2024 parallel sessions will be held of 11 different branches of science. There will be seven other parallel sessions, including on tribal development, agriculture, child science and women's science congress. A huge science exhibition will also be organised.

LOKSATYA PAGE 3

दो दिवसीय ग्रेविटास 12 व 13 अप्रैल

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ यूनिवर्सिटी के व्यापार प्रशासन विभाग का वार्षिक प्रबंधन उत्सव- ग्रेविटास अपने दूसरे संस्करण के साथ एक बार फिर प्रबंधन कौशल और विभिन्न कलाओं का उत्साह बिखेरेगा। ग्रेविटास 2.0 का आयोजन पूरी तरह से स्टूडेंट्स ने तैयार किया गया है। ताकि स्टूडेंट्स को विभाग के भव्य वार्षिक प्रबंधन महोत्सव का अनुभव हो सके। ग्रेविटास 2.0 में सभी गतिविधियां छात्रों की ओर से प्रबंधन कौशल को और बढ़ाने के लिए आयोजित होंगी। दो दिवसीय ग्रेविटास 12 व 13 अप्रैल तक होगा। उद्घाटन कुलपति प्रो आलोक कुमार राय करेंगे। बतौर वक्ता भारतीय व्यवसायी, मीडिया उद्यमी और लेखक डॉ संदीप गोयल, भारतीय प्रबंधन संस्थान तिरुचिरापल्ली के निदेशक डॉ पवन कुमार सिंह होंगे। पोस्टर मेकिंग, पैनल डिस्कशन, डिबेट स्पर्धा, केस स्टडी कम्पटीशन, बिजनेस क्विज, सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं व कार्यक्रम होंगे। विभिन्न महाविद्यालयों के स्टूडेंट्स अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

दुनिया जान गई थी विज्ञान का विकास : प्रो. एचएन वर्मा

विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन के आयोजन सचिव रहे व वर्तमान में जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रति कुलपति प्रो. एचएन वर्मा बताते हैं कि 2002 में जब लखनऊ विश्वविद्यालय को चौथी बार विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी का मौका मिला था तो सभी उत्साहित थे। विज्ञान के शोध और विकास को दिखाने के लिए भव्य प्रदर्शनी लगाई गई थी, जिसमें डीआरडीओ व अन्य संस्थाएं शामिल हुई थीं। इससे छात्र-छात्राओं को पता चलता है कि किस तरह विज्ञान दिन पर दिन तरक्की कर रहा है।

डा. कलाम ने आम लोगों की तरह लाइन में खड़े होकर खाया : प्रो. एमपी